18 OCT 10 2026.qxd 17-10-2026 23:04 Page 1

बारिश में फिसली शृंखला जीतने की चाहत

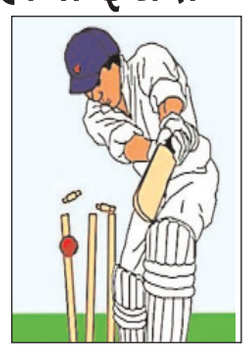


पांचवां टी-२० रद, २-२ से बराबर रही भारत-वेस्टइण्डीज शृंखला

बेंगलूरु (आससे)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांचवां टी-२० मुकाबला बारिश की वजह से रद हो गया है। इसी के साथ शृंखला २-२ से बराबर हो गयी। साथ ही भारत चार साल बाद घर पर शृंखला नहीं जीत सका। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने २०२२ में पांच मैचों की शृंखला २-२ ड्रा कराई थी। बारिश के चलते ओवरों की संख्या घटाकर नौ ओवर कर दी गयी। भारत जब ईशान किशन (३०), नमन धीर (२४) और कप्तान श्रेयस अय्यर (२२) की आक्रामक पारी के सहारे ७.४ ओवर में पांच विकेट पर ११८ रन पर था तभी बारिश फिर शुरू हो गयी जिसे बाद खेल नहीं हो सका। लगभग सवा दो घण्टे बारिश की बाधा के बीच निर्णयक मुकाबले में टास हार कर पहले बल्लेबाजी को बाध्य भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने विस्फोटक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (छह) को पहले ओवर में ही खो दिया। अभिषेक ने छक्का लगा कर बड़ी पारी खेलने की उम्मीद जगायी लेकिन पिछले मैच के हीरो कीमो पाल ने जोसेफ के हाथों उन्हें कैच करा इस उम्मीद को खत्म कर दिया। अब संजू सैमसन का साथ देने ईशान किशन २२ गज की पट्टी पर उतरे। वे जानते थे कि यह नौ ओवर का ही मुकाबला है ऐसे में आते ही उन्होंने बल्ले का मुंह खोल दिया और कैरेबियाई गेंदबाजों की धुनाई करने लगे। २.४ ओवर के पावर प्ले से एक गेंद पहले शमर जोसेफ की गेंद पर किशन बड़ा शाट खेलने के चक्कर में सीमारेखा के पास रोवमैन पावेल को कैच दे बैठे। ईशान किशन ने पवेलियन लौटने से पहले १० गेंद में ३० रन बनाये जिसमें तीन चौके, दो छक्के शामिल रहे। भारत ने २.५ ओवर में ५० रन पूरे किए। यह टी-२० अन्तरराष्ट्रीय मैच में भारत का सबसे तेज टीम अर्द्धशतक है। इससे पहले भारत ने इसी साल हैदराबाद में वेस्टइण्डीज के खिलाफ तीन ओवर में ५० रन बनाए थे। इस बीच संजू सैमसन ने तेवर तल्ख किया लेकिन वे बड़ी पारी नहीं खेल सके और सात गेंद पर दो चौके, एक छक्के की मदद से केवल १६ रन बना कर शमर स्प्रिंगर की गेंद पर चकमा खा गये और बोल्ड हो गये। भारत को तीसरा झटका ६६ रन पर लगा। अब बारी कप्तान श्रेयस अय्यर की थी। उन्होंने आक्रामक रुख के साथ तेजी से रन जुटाने शुरू कर दिये। अय्यर ने गुडाकेश मोती के छठे ओवर में १५ रन हासिल किये। अय्यर ने लगातार दो चौके लगाये। इस दौरान उन्हें दो जीवनदान भी मिले। पहले शाई होप रनआउट करने से चूके, फिर डीप मिड-आफ पर शेरफेन रदरफोर्ड ने उनका कैच छोड़ दिया। हालांकि वे इस जीवनदान का फायदा नहीं उठा सके और १४ गेंद में दो चौके की मदद से २२ रन बना कर कीमो पाल के शिकार हो गये। इसके बाद क्रीज पर आये नमन धीर ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़ अपना खाता खोला। धीर ने इसके बाद दौ छक्का और एक चौका और जड़ दिया। इधर तिलक वर्मा (सात) स्प्रिंगर की गेंद पर बोल्ड हो गये। भारत का स्कोर जब ७.४ ओवर में पांच विकेट पर ११८ रन था बारिश फिर शुरू हो गयी और मैच रोक दिया गया। उस समय नमन धीर छह गेंद पर एक चौके, तीन छक्के की मदद से २४ रन बना कर क्रीज पर मौजूद थे।

भारतीय महिलाओं का अजेय बढ़त लेने का होगा इरादा

दूसरा टी-२० जिम्बाब्वे से मिलेगी टक्कर



रायपुर (एजेन्सियां)। भारत जब तीन मैचों की महिला टी-२० शृंखला के दूसरे मुकाबले में रविवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ उतरेगा तो उसकी नजरे एक और जीत के साथ शृंखला में अजेय बढ़त लेने पर होगी। पहले मैच में असफल रहे भारतीय शीषक्रम के बल्लेबाज अधिक आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी करने की कोशिश करेंगे। शीर्षक्रम के बल्लेबाजों की नाकामी के कारण भारतीय टीम पहले मैच में एक समय संकट में दिख रही थी। उसने अपने चार विकेट १९ रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद पदार्पण कर रही निक्की प्रसाद और दीप्ति शर्मा ने ८२ रन की साझेदारी करके टीम को चार विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारतीय बल्लेबाजों ने जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण को सहजता से लिया जिससे वह संकट में पड़ गये। जिम्बाब्वे की तरफ से आफ स्पिनर न्याशा ग्वांजुरा ने पावरप्ले में तीन विकेट लिए। भारत के चोटी के बल्लेबाज अब दूसरे मैच में इसकी भरपाई करने की कोशिश करेंगे क्योंकि पहले मैच में कप्तान स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, अनुष्का शर्मा और पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच पायी थी। दीप्ति में एक बार फिर से दिखाया कि वह भारत के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। इस आलराउंडर ने कहा कि कुछ ऐसे मौके भी आयेंगे जब विपक्षी टीम हावी रहेगी। दीप्ति ने कहा निश्चित रूप से हम आक्रामक खेल खेलना चाहते हैं और यही बात हमारे दिमाग में थी। उन्होंने कहा मैच में कभी-कभी ऐसा होता है। आप जो चाहते हैं भगवान हमेशा आपको वही नहीं देता है लेकिन हम हमेशा सीखते हैं। मुझे यकीन है कि आज जो हुआ वह अगले मैच में नहीं होगा। मंधाना का यह पूर्णकालिक कप्तान के रूप में पहला मैच था जिसमें बल्लेबाज के रूप में वह नाकाम रही और अब वह आगे बढ़कर नेतृत्व करने के लिए उत्सुक होंगी। भारत के लिए बल्लेबाजी में सकारात्मक पहलू निक्की प्रसाद का शानदार प्रदर्शन रहा। उन्होंने दबाव में भी संयम और स्ट्रोकप्ले का शानदार नमूना पेश किया। दीप्ति ने कहा निक्की ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। ऐसा लग ही नहीं रहा था कि वह अपना पहला मैच खेल रही है। एक युवा खिलाड़ी का यह आत्मविश्वास सराहनीय है। मुझे विश्वास है कि इस मैच से उसे काफी आत्मविश्वास मिलेगा। भारतीय गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को पांच विकेट पर ११४ रन ही बनाने दिया। उसकी टीम सलामी बल्लेबाज केलिस नधलोवु और शार्ने मेयर्स से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी जिन्होंने पहले मैच में बल्लेबाजी में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। जिम्बाब्वे को यह भी उम्मीद होगी कि ग्वांजुरा अपने प्रभावशाली प्रदर्शन को बरकरार रखने में कामयाब होगी। उन्होंने पावरप्ले के दौरान स्पिन के खिलाफ भारत की कमजोरी को उजागर किया था।

भारत-स्मृति मंधाना (कप्तान), शेफाली वर्मा, निक्की प्रसाद, हरमनप्रीत कौर, अनुष्का शर्मा, ऋचा घोष, जी कमलिनी, दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, श्री चरणानी, नंदनी शर्मा, क्रांति गौड अरुंधति रेड्डी, जिन्तिमणि कलिता, मिन्नू मणि।

जिम्बाब्वे-जोसेफिन नकोमो (कप्तान), बिलव्ड बिजा, चिपो मुगेरी-तिरिपानो, केलिस नधलोवु, मिशेल मावुंगा, न्याशा ग्वांजुरा, नोम्पिलो सिबांडा, लोरिन फिरी, चिएज़ा दुरुरु, मोडेस्टर मुपाचिक्का, तेंदानेई मायकुशा।

समय-रात्रि सात बजेसे।

मानसी और थुलासिमथि ने पदक किया पक्का

पैरा एशियाई खेल



नागोया (एजेन्सियां। मानसी जोशी और थुलासिमथि मुरुगेसन ने शनिवार को यहां एशियाई पैरा खेलों में महिला युगल एसएल श्री, एसयू फाइव वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बनाकर लगातार दूसरी बार भारत के लिए पदक सुनिश्चत कर दिया। भारतीय जोड़ी ने २०२३ में हांगझोउ में आयोजित पिछले चरण में रजत पदक जीता था। दोनों खिलाड़ियों ने चीन की यूमेई लियू और टोंगटोंग ली को २१-१०, २१-१७ से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इसके साथ ही उन्होंने एक मुकाबला शेष रहते ग्रुप ए में शीर्ष दो स्थान में अपनी जगह पक्की कर ली। सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों जोड़ियों को कांस्य पदक मिलने के कारण इस जीत के साथ ही भारत का पदक पक्का हो गया। मानसी और थुलासिमथि ने इससे पहले शुक्रवार को इंडोनेशिया की राहायु वारिनिंग और कोनिताह इख्तियार स्याकुरोह को हराया था। भारतीय जोड़ी सोमवार को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में चीन की यांग क्यूशिया और शियाओ जुशियान से भिड़ेगी। तोक्यो पैरालम्पिक चैम्पियन कृष्णा नागर ने पुरुषों के एकल एसएच छह ग्रुप चरण में लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में स्थान सुनिश्चित किया। नागर ने इंडोनेशिया के सुभान को २१-१३, २१-१५ से हराकर ग्रुप सी में शीर्ष दो खिलाड़ियों में अपना स्थान सुनिश्चित किया। हालांकि उनका एक ग्रुप मुकाबला अभी बाकी है। एसएच छह वर्ग कम कद वाले खिलाड़ियों के लिए होता है। भारत को एकल मुकाबलों में कई अन्य जीत भी मिलीं। पेरिस पैरालंपिक के चैंपियन नितेश कुमार और तोक्यो पैरालंपिक के विजेता प्रमोद भगत ने पुरुष एकल एसएल श्री वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया। नितेश ने थाईलैंड के नत्थापोल चमननवेट को २१-६, २१-७ से हराया जबकि भगत ने चीन के शियोंग लिचुआन को २१-१७, २१-१६ से मात दी। उमेश विक्रम कुमार ने भी फिलीपींस के खियान काइल अर्बानो को २१-१०, २१-१२ से पराजित किया। पुरुष एकल एसएल फोर वर्ग में नवीन शिवकुमार ने इंडोनेशिया के हिकमत रमदानी को २१-१२, २१-१० से हराया। वहीं सूर्यकांत यादव ने जापान के कोकी ओगावा को २१-६, २१-१९ से शिकस्त दी। इस वर्ग में निचले अंगों में अपेक्षाकृत कम गंभीर दिव्यांगता वाले खिलाड़ी खड़े होकर खेलते हैं। सुकांत कदम ने दक्षिण कोरिया के शिन क्यान्ग ह्वान को २१-१७, १८-२१, २१-९ से हराया। अभिजीत सखुजा ने भी शानदार वापसी करते हुए थाईलैंड के सिरिपोंग टीमारोम को १९-२१, २१-१६, २१-१० से पराजित किया। पुरुष एकल एसय फाइव वर्ग में रुथिक रघुपति ने जापान के वातरू कनाई को २१-१२, २१-१३ से हराया। हार्दिक मक्कर ने मलेयशिया के अमिरुल याजिद बिन अहमद सिबी को २१-१६, १६-२१, २१-१८ से मात दी। भारत ने व्हीलचेयर वर्गों में भी जीत दर्ज की। पुरुष एकल डब्ल्यूएच वन वर्ग में प्रेम कुमार आले ने संयुक्त अरब अमीरात के ओमैर यूनुस को २०-२२, २१-९,२१-१० से हराया। डब्ल्यूएच टू वर्ग में हैरिस मिथिली ने इंडोनेशिया के विविन एंड्री को २१-१३, २१-१७ से हराया। हालांकि अबू हुबैदा को जापान के रियो ओयामा के खिलाफ १३-२१, ११-२१ से हार का सामना करना पड़ा। पुरुष एकल एसएच छह वर्ग में नागर की जीत के अलावा सिवाराजन सोलाइमलाई ने हांगकांग के वोंग चुन यिम को २१-१३, २१-१४ से शिकस्त दी।

भाविना ने बरकरार रखी जीत की लय

नागोया (एजेन्सियां)। पैरालम्पिक रजत पदक विजेता भाविना पटेल ने शनिवार को यहां महिलाओं की पैरा टेबल टेनिस स्पर्धा में जोर्डन की फतेन एलेमत को हराकर एशियाई पैरा खेलों में जीत की लय बरकरार रखी। भाविना ने १७ मिनट तक चले महिला एकल क्लास ४-५ ग्रुप ए मैच में फतेन को ११-६, ११-७, ११-४ से हराया। इससे वह अपने ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गयी। पैरा टेबल टेनिस में क्लास फोर और क्लास फाइव स्पर्धा में पैरा खिलाड़ी व्हीलचेयर (क्लास वन से क्लास फाइव) पर बैठकर खेलते हैं जिन्हें बैठने में संतुलन और बांह के नियत्रंण के हिसाब से वर्गीकृत किया जाता है। सोनलबेन पटेल ने क्लास श्री स्पर्धा में अपना अभियान जापान की युका इकेयामा के खिलाफ ३-० की जीत से शुरू किया लेकिन वह दक्षिण कोरिया की मिगयु ली से ०-३ से हार गयीं। पुरुषों की एकल क्लास श्री स्पर्धा में शुभम वाधवा को सऊदी अरब के इब्राहिम अल हसन से ०-३ से पराजय मिली। क्लास वन वर्ग में एकता भयान को महिला एकल में सऊदी अरब की मरयम अलमीरिसल से ०-३ से जबकि जेहन मदानको सऊदी अरबकी राकेन अलसालमी से १-३से शिकस्त मिली। महिला टीम के मुख्य कोच की

अमृता को रजत, भारत का दो पदकों के साथ अभियान समाप्त

लास वेगास (एजेन्सियां)। भारतीय पहलवान अमृता पुजारी को अंडर-२३ विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के महिला ७२ किग्रा वर्ग के फाइनल में यूक्रेन की इरीना जाब्लोत्स्का के खिलाफ चित होने के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इसके साथ ही भारतीय महिला पहलवानों का अभियान दो पदकों के साथ समाप्त हो गया। अमृता मुकाबले में ०-६ से पीछे चल रही थीं तभी जाब्लोत्स्का ने उन्हें चित कर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। भारत की स्वीटी के पास एक और पदक जीतने का मौका था लेकिन वह ५३ किग्रा वर्ग के कांस्य पदक के मुकाबले में यूक्रेन की अनास्तासिया पोल्स्का से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर ०-११ से हार गयी। स्वीटी ने रेपचेज दौर में चीन की शियाओतोंग जेंग को ११-१० से हराकर कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनायी थी। वैष्णवी पाटिल भी रेपचेज में मिले मौके का फायदा नहीं उठा सकीं। उन्हें जापान की हारुका कोबारू के खिलाफ २-४ से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले कोमल ने महिला ५९ किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता था। भारतीय पुरुष फ्रीस्टाइल पहलवानों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। पांचों भारतीय पहलवान पदक की दौड़ तक नहीं पहुंच सके। वैभव पाटिल को ६१ किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में रोमानिया के गैब्रियल व्हिसेनहंट के खिलाफ तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर ०-११ से हार का सामना करना पड़ा तो वहीं ७४ किग्रा वर्ग में आदर्श पाटिल को अंतिम-१६ के मुकाबले में जापान के तोकी ओगावाल ने ६-४ से हराकर प्रतियोगिता से बाहर कर दिया। अमित का अभियान ८६ किग्रा वर्ग में अंतिम-१६ में समाप्त हो गया। वह जॉर्जिया के तोर्निके समखाराद्जे के खिलाफ ३-४ से पीछे चल रहे थे तभी प्रतिद्वंद्वीने उन्हें चित कर दिया।

रमेश पोवार ले सकते हैं अगरकर का स्थान



मुम्बई (एजेन्सियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर रमेश पोवार बीसीसीआई की सीनियर चयन समिति के मुख्य चयनकर्ता बन सकते हैं। उन्हें अजीत अगरकर की जगह जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। फिलहाल प्रज्ञान ओझा अंतरिम आधार पर चयन समिति के चेयरमैन की भूमिका निभा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक क्रिकेट एडवाइजरी कमेटी ने १४ अक्तूबर को आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद १५को उम्मीदवारों के साक्षात्कार लिए। इस दौरान चार से पांच उम्मीदवारों से बातचीत की गयी जिनमें भारत के पूर्व ओपनर वसीम जाफर भी शामिल थे। सीएसी ने पोवार के नाम पर सहमति जताई है। पोवार ने भारत के लिए दो टेस्ट और ३१ एकदिनी खेले हैं। वह मुम्बई के पूर्व भारतीय स्पिनर हैं। इसके अलावा वह दो अलग-अलग कार्यकाल में भारतीय सीनियर महिला टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। पोवार ने जूनियर चयन समिति के अध्यक्ष के लिए भी साक्षात्कार दिया था। शुरुआत में उन्हें जूनियर चयन पैनल का चेयरमैन बनाये जाने की संभावना थी लेकिन बाद में उन्हें सीनियर चयन समिति में शामिल करने पर विचार किया गया। सीनियर चयन समिति के पद के लिए साक्षात्कार देने वाले अन्य उम्मीदवारों में बरौदा के पूर्व खिलाड़ी कानर विलियम्स और जैकब मार्टिन भी शामिल थे। वहीं कर्नाटक के पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज डोडा गणेश को जूनियर चयन समिति का चेयरमैन बनाए जाने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि बीसीसीआई की ओर से इस नियुक्ति को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। रमेश पोवार दो अलग-अलग कार्यकालों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रहे। उन्होंने पहली बार २०१८ में यह जिम्मेदारी संभाली थी और बाद में मई २०२१ में उन्हें फिर से इस पद पर नियुक्त किया गया था। पोवार का सबसे चर्चित विवाद २०१८ महिला टी-२० विश्वकप के दौरान कप्तान मिताली राज के साथ हुआ था। मिताली ने उन पर भेदभाव करने, अपमानित करने और करियर को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था। यह विवाद तब और गहरा गया जब मिताली को इंगलैण्ड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच से बाहर कर दिया गया जिसके बाद पोवार को पद से हटा दिया गया था।

शुभमन गिल पर होगी निगाहें

रणजी ट्राफी



मुल्लांपुर (एजेन्सियां)। भारत के टेस्ट और एकदिनी कप्तान शुभमन गिल की पंजाब की तरफ से रणजी ट्राफी में वापसी रविवार से देशभर में शुरू होने वाले इस घरेलू प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट के दूसरे दौर का मुख्य आकर्षण होगी। गिल पंजाब के पहले दौर के मैच में नहीं खेल पाये थे। उनकी अनुपस्थिति में भारत की अंडर-१९ टीम के पूर्व कप्तान उदय सहारन ने टीम की कप्तानी की। इस मैच में पंजाब ने असम के खिलाफ पहली पारी में बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किये थे। सत्र के दूसरे दौर में पंजाब का सामना छत्तीसगढ़ से होगा। गिल का हाल में प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने वेस्टइण्डीज के खिलाफ एकदिनी शृंखला में ३३४ रन बनाये। गिल ने दूसरे एकदिनी में १३३ गेंदों पर नाबाद २२३ रन बनाये और इस प्रारूप में सबसे तेज दोहरा शतक का रेकार्ड अपने नाम किया था। ग्रुप बी के एक अन्य मुकाबले में कर्नाटक आलराउंडर श्रेयस गोपाल के नेतृत्व में अलूर में सौराष्ट्र का सामना करेगा। इस मैच में उसे बल्लेबाज रविचंद्रन स्मरण की कमी खलेगी जिन्हें न्यूजीलैण्ड दौरे के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया है। कर्नाटक को हालांकि चोट से उबरने वाले प्रमुख तेज गेंदबाज विद्वथ कावेरप्पा और वैशाक विजयकुमार की वापसी से मजबूती मिलेगी। ग्रुप बी में शीर्ष पर काबिज हैदराबाद की टीम आंध्र के खिलाफ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेगी। उसने पहले मैच में त्रिपुरा को पारी और ४० रन से हराकर बोनस अंक हासिल किया था। ग्रुप डी में मुम्बई की टीम हिमाचल प्रदेश के खिलाफ उपकप्तान और सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे के बिना खेलेगी जो चोटिल हैं। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी इस मैच में नहीं खेल पायेंगे क्योंकि वह न्यूजीलैण्ड दौरे के लिए भारत ए टीम का हिस्सा हैं। मुम्बई ने दिव्यांश सक्सेना और अंगकृष रघुवंशी को टीम में शामिल किया है। म्हात्रे और जायसवाल की अनुपस्थिति में मुम्बई को मध्यक्रम के बल्लेबाज सरफराज खान से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। ग्रुप सी में दिल्ली और सेना की टीम अपने शुरुआती मैचों में मिली हार से उबरने की कोशिश करेंगी। उनका सामना क्रमश: गुजरात और बंगाल से होगा। गुजरात और बंगाल ने अपने पहले मैचों में जीत हासिल की थी। गुजरात ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए दिल्ली को नौ विकेट से हराया था। ग्रुप ए में उत्तर प्रदेश ने बिहार को पारी और २६७ रन से हरा कर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी। अब उसका मुकाबला गोवा से होगा जहां वो एक और बड़ी जीत चाहेगा। दूसरी तरफ गोवा अपने पहले मैच में बड़ौदा के खिलाफ पारी और १३५ रन की हार से उबरने की कोशिश करेगा। प्लेट ग्रुप में अनुभवी घरेलू क्रिकेटर नीलम ओबी सिक्किम के खिलाफ अरुणाचल प्रदेश की कप्तानी करेंगी। अरुणाचल राज्य क्रिकेट संघ में प्रशासनिक संकट के कारण अपना पहले दौर का मैच नहीं खेल पाया था।

पिछले रेकार्ड को बेहतर करना चाहेगा भारत

पैरा एशियाई खेल

नागोया (एजेन्सियां)। भारत पिछले पैरा एशियाई खेलों के रेकार्ड प्रदर्शन को बेहतर करने की कोशिश करेगा लेकिन दल का आकार कम होने और दो खेलों में चयन को लेकर विवादों के बीच रविवार से शुरू हो रहे इन खेलों में १११ पदकों की पिछली उपलब्धि को दोहराना चुनौती हो सकती है। भारत ने हांगझोउ खेल २०२३ में २९ स्वर्ण, ३१ रजत और ५१ कांस्य पदक जीते थे जो अब तक का उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। आइची नागोया में भारत ने ११ खेलों में १६८ खिलाड़ियों का दल भेजा है जबकि चीन में दल में ३०३ खिलाड़ी थे। भागीदारी के कोटे को और सख्त करने तथा कार्यक्रमों में किये गये बदलावों के कारण इसमें कमी आई है। खिलाड़ियों की संख्या में कटौती के कारण पिछले कुल पदकों की संख्या तक पहुँचना मुश्किल होगा। अब बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि भारत के अनुभवी पदक विजेता कैसा प्रदर्शन करते हैं और क्या नये उभरते अथलीट महाद्वीपीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ पाते है। भारत ने रविवार को होने वाले आधिकारिक उद्घाटन समारोह से पहले पैरा बैडमिण्टन, पैरा टेबल टेनिस, बोकिया और दृष्टिबाधित फुटबाल में अपने अभियान की शुरूआत कर दी है। हांगझोउ में भारत ने पैरा अथलेटिक्स में १८ स्वर्ण समेत ५५ पदक जीते थे और इस बार भी नजरें पैरा अथलीटों पर रहेंगी। इस बार १२३ की बजाय ६२ खिलाड़ी ही गये हैं यानी करीब ५० फीसदी कटौती हुई है। पैरालम्पिक चैम्पियन और विश्व रेकार्डधारी भालाफेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल स्वर्ण के प्रबल दावेदार होंगे। ऊंची कूद में निषाद कुमार, फर्राटा में प्रीति पाल और क्लब थ्रो में धरमबीर सिंह पर नजरें रहेंगी। तीरंदाजी में भुजाहीन तीरंदाज शीतल देवी और पायल नाग पर उम्मीदें टिकी होंगी जबकि पैरालम्पिक रिकर्व चैम्पियन हरविंदर सिंह और विश्व चैम्पियन तोमान कुमार भी पदक के दावेदारों में हैं। पैरा बैडमिण्टन में कई बार चैम्पियन रह चुके प्रमोद भगत और सुहास एलवाई पर दारोमदार होगा। निशानेबाजी में पैरालम्पिक चैम्पियन अवनि लेखरा चुनौती की अगुवाई करेंगे।

वाराणसी कुश्ती टीम घोषित

वाराणसी। गोरखपुर में २३ से २५ अक्तूबर तक होनेवाली सीनियर महिला-पुरुष स्टेट कुश्ती चैम्पियनशिपके लिए शनिवार को डाक्टर सम्पूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में चयन परीक्षणके उपरांत वाराणसी की टीम घोषित कर दी गयी। वाराणसी कुश्ती संघके अध्यक्ष राजीव सिंह रानूके अनुसार टीम इस प्रकार है-फ्री स्टाइल-मिथिलेश यादव, चंदन यादव, शिवम यादव, धर्मराज यादव, विकास विश्वकर्मा, रिशि यादव, विनीत यादव, यशवंत गिरी, मृत्युंजय यादव, लक्ष्य कुमार। ग्रीको रोमन-अवधेश यादव, यशपाल, पीयूष यादव, प्रिंस यादव, मनीष यादव, शिवशंकर यादव, हिमांशु यादव, सितांशु यादव, ऋषभ सिंह, महिला फ्री स्टाइल-रेशमा यादव, रंजन यादव, गुड़िया यादव, आंचल यादव, खुशबू कुमारी, कशिश यादव, विजयलक्ष्मी।

सात स्वर्ण ले आये वाराणसी के अथलीट



मण्डलीय विद्यालयीय अथलेटिक्स

वाराणसी। वाराणसी के अथलीटोंने शानदार प्रदर्शन करते हुए गाजीपुर में हो रही मण्डलीय विद्यालयीय अथलेटिक्स प्रतियोगितामें शनिवार को सात स्वर्ण पदक जीत लिए। बालकों के जूनियर वर्ग की तीन किलोमीटर वाकरेस में विनीत सिंह पटेलने, बालिका वर्ग की ४०० मीटर हर्डल रेस में रितिमा पटेल ने, सब जूनियर बालिका वर्ग ८० मीटर हर्डल रेस में प्रिया पटेल, जूनियर बालक वर्ग के त्रिकूद में रुद्राक्ष भारद्वाज और



सब जूनियर बालक वर्ग ८० मीटर हर्डल रेस में शोएब खान ने स्वर्ण पदक हासिल किया। बालकों के जूनियर वर्ग की ४०० मीटर हर्डल रेस में विष्णु यादव तथा महिला वर्ग में पूनम विश्वकर्मा ने सुनहरी सफलता हासिल की। सातो खिलाड़ी विकास इण्टर कालेजके छात्र हैं। विद्यालयके अथलीटोंकी इस सफलता पर विकास एजुकेशनल ग्रुपके चेयरमैन डाक्टर एके सिंह, संयुक्त शिक्षा निदेशक वाराणसी मण्डल दिनेश कुमार सिंह, मण्डलीय क्रीड़ा सचिव राजेश कुमार सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी।

जयवर्द्धने ने छोड़ा मुम्बई इण्डियंस का कोच पद

मुम्बई (एजेन्सियां)। मुम्बई इण्डियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्द्धने ने शनिवार को पद छोड़ दिया। ४९ साल के जयवर्द्धने का यह मुम्बई इण्डियंस के साथ दूसरा कार्यकाल था। वे २०२५ सत्र से पहले दोबारा टीम के मुख्य कोच बने थे। जयवर्द्धने ने अपने पहले कार्यकाल में मुम्बई इण्डियंस को २०१७, २०१९ और २०२० में आईपीएल खिताब जिताये थे। टीम २०२५ में चौथे स्थान पर रही और क्वालिफायर-दो में हार गयी थी। पिछले सीजन में टीम नौवें स्थान पर रही। जयवर्द्धने ने २०२२ में मुम्बई इण्डियंस के ग्लोबल हेड आफ परफार्मेंस की जिम्मेदारी भी संभाली थी। जयवर्धने ने कहा कि मुम्बई इण्डियंस उनके क्रिकेट करियर का खास हिस्सा रही है। खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ, प्रशंसकों और पूरे टीम परिवार ने इस सफर को यादगार बनाया। जयवर्द्धने ने कहा कि टीम के साथ हासिल की गयी उपलब्धियों पर उन्हें गर्व है।

विमल जैन हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद्
एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, टैगोर टाउन एक्सटेंशन, भोजूबीर, वाराणसी-221002
09335414722

आज का राशिफल रविवार, 18 अक्टूबर 2026

मेष- कार्यक्षमता में वृद्धि, परिश्रम के अनुरूप सफलता, पारिवारिक खुशी, यात्रा का सुयोग।
वृषभ- आज रात्रि 7/33 बजे तक निराशा, तत्पश्चात् लाभ का सुयोग, धार्मिक स्थलों की यात्रा।
मिथुन- आज रात्रि 7/33 बजे तक कार्य क्षमता में वृद्धि, तदनन्तर कार्यों में अड़चनें, हानि संभव।
कर्क- अधूरी योजना साकार, मन प्रसन्न, उत्तरदायित्व की पूर्ति, लाभ की स्थिति, प्रसन्नता।
सिंह- दिनचर्या व्यवस्थित, जनसम्पर्क का सुअवसर, शत्रु परास्त, परोपकार की ओर रुझान।
कन्या- आज रात्रि 7/33 बजे तक गुप्त चिन्ताएं प्रभावी, तदुपरान्त समय बेहतर, इच्छाशक्ति जागृत।
तुला- आज रात्रि 7/33 बजे तक परेशानी में कमी, तत्पश्चात् समय निराशाजनक, यात्रा कष्टकर।
वृश्चिक- ग्रहयोग बेहतर, सम्बन्धों में प्रगाढ़ता, आय के नवीन स्रोत उपस्थित, मन प्रसन्न।
धनु- वातावरण मनोनुकूल, व्यक्तित्व का विकास, निर्णय लाभप्रद, आत्मिक शांति की अनुभूति।
मकर- आज रात्रि 7/33 बजे तक व्यापार में हानि, तदुपरान्त समय अनुकूल, दाम्पत्य जीवन संतोषजनक।
कुम्भ- आज रात्रि 7/33 बजे तक नवीन योजना का श्रीगणेश, तदनन्तर समय में योजना अधूरी।
मीन- अभिलाषा की पूर्ति, आशानुकूल घटनाएँ घटित, दाम्पत्य जीवन मधुर, खुशी भी।

आज है जिनका जन्मदिन 18 अक्टूबर

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। जन्मदिनांक 18 का मूलांक 9 का स्वामी ग्रह मंगल एवं माह का अधिपति ग्रह शुक्र है। आकर्षक और प्रतिभा सम्पन्न व्यक्ति होंगे। स्वभाव अस्थिर रहेगा। यही अस्थिरता कार्यशील रखेगी। में जन्म से ही नेतृत्व करने की अद्भुत क्षमता होगी। अनुशासन प्रिय होंगे। चाहेंगे कि आपके अधीनस्थ भी अनुशासन में रहें। आपके विचारों में उग्रता का समावेश रहेगा। समाज सेवा की भावना अधिक रहेगी। व्यर्थ का दिखावा आडम्बर तड़क-भड़क अधिक पसन्द करेंगे। आपके साथ किस समय क्या घटित हो जाए कोई निश्चित नहीं रहेगा। उच्च आदर्शों के लिए जियेंगे। दृष्टिकोण व्यापक होगा। मित्रों के लिए एक बेहतर मित्र साबित होंगे। कला-संगीत प्रेमी भी होंगे। दाम्पत्य जीवन अनुकूल नहीं कहा जा सकता। इष्ट देवी-देवता की पूजा एवं अर्चना नियमित रूप से करें। दैनिक जीवन में नारंगी एवं लाल रंग का प्रयोग अधिकतम करें। मंगलवार के दिन गुड़ या मिठाई ग्रहण करें एवं दान में देवें। हित के लिए असत्य बात का सहारा न लेवें। सुख-सौभाग्य के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें।

आपके लिए शुभ
मन्त्र : ॐ अं अंगारकाय नमः
व्रत : मंगलवार
दिन : सोमवार, मंगलवार एवं गुरुवार
दिनांक : 9, 18, 27
अंक : 1, 3, 6
मास : फरवरी, अक्टूबर एवं नवम्बर
वर्ष : 9, 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72
रंग : लाल एवं नारंगी
जन्मरत्न : मूंगा उपरत्न : लाल अकीक
जड़ी : अनन्त मूल की जड़
वर्ष का महत्वपूर्ण समय—15 मार्च से 14 अक्टूबर, 31 अक्टूबर से 14 नवम्बर

यन्त्र

8	3	10
9	7	5
4	11	6

	2							1
		9		4	3			